भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 1857
गुरूवार, 16 मार्च, 2023/25 फाल्गुन, 1944 (शक)

संगठित क्षेत्र में रोजगार में वृद्धि

1857. श्री नरहरी अमीनः

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या संगठित क्षेत्र में रोजगार अवसरों में वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो क्या इसके परिणामस्वरूप कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के पंजीयनों में वृद्धि हुई है; और

(ग) यदि हां, तो गत दो वर्षों के दौरान देश, विशेष रूप से गुजरात में ईपीएफओ के पंजीयनों में प्रतिशत-वार वृद्धि सहित, तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) से (ग): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा वर्ष 2017-18 से करवाया जा रहा आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) रोजगार और बेरोजगारी पर आंकड़ों का स्रोत होता है। सर्वेक्षण की अवधि जुलाई से अगले वर्ष जून तक होती है। नवीनतम उपलब्ध वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्टों के अनुसार, वर्ष 2019-20 से वर्ष 2021-22 के दौरान 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की सामान्य स्थिति के आधार पर अनुमानित कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) इस प्रकार है:

वर्ष	कामगार जनसंख्या अनुपात (% में)
2019-20	50.9
2020-21	52.6
2021-22	52.9

स्रोत: पीएलएफएस, एमओएसपीआई

पीएलएफएस आंकड़ें दर्शाते है कि देश में रोजगार की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) सितंबर, 2017 से अपना मासिक पेरोल डेटा प्रकाशित कर रहा है। देश में वर्ष 2020-21 और वर्ष 2021-22 के दौरान ईपीएफ अंशदाताओं में निवल वृद्धि क्रमशः 77.1 लाख और 122.3 लाख थी, इसमें 59% की वृद्धि दर्ज की गई है। गुजरात में, वर्ष 2020-21 और वर्ष 2021-22 के दौरान ईपीएफ अंशदाताओं में निवल वृद्धि क्रमशः 7.5 लाख और 10.7 लाख थी, इसमें 42% की वृद्धि दर्ज की गई है।

ईपीएफ अंशदाताओं में निवल वृद्धि का राज्य-वार ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है।

*****

अनुबंध

राज्य सभा के दिनांक 16.03.2023 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1857 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

ईपीएफ अंशदाताओं में राज्य-वार निवल वृद्धि

क्र.सं.	राज्य	2020-21	2021-22
1	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	1,881	1,524
2	आंध्र प्रदेश	1,87,986	2,73,104
3	अरुणाचल प्रदेश	1,374	1,571
4	असम	36,634	23,284
5	बिहार	3,78,771	92,059
6	चंडीगढ़	85,094	1,30,159
7	छत्तीसगढ़	81,446	1,19,369
8	दिल्ली	4,25,486	8,89,628
9	गोवा	50,539	57,154
10	गुजरात	7,54,982	10,74,917
11	हरियाणा	7,16,973	9,63,560
12	हिमाचल प्रदेश	82,189	85,494
13	जम्मू और कश्मीर	29,269	31,853
14	झारखंड	65,950	97,040
15	कर्नाटक	6,24,237	13,60,463
16	केरल	63,823	1,40,378
17	लद्दाख	235	805
18	मध्य प्रदेश	1,79,978	2,62,348
19	महाराष्ट्र	14,95,493	26,45,451
20	मणिपुर	1,354	1,604
21	मेघालय	1,940	4,174
22	मिजोरम	436	456
23	नागालैंड	108	546
24	ओडिशा	1,00,361	1,67,483
25	पंजाब	1,07,224	1,48,061
26	राजस्थान	2,83,760	4,09,217
27	तमिलनाडु	6,64,278	12,84,986
28	तेलंगाना	4,17,091	7,57,548
29	त्रिपुरा	2,541	3,520
30	उत्तर प्रदेश	4,90,109	6,80,229
31	उत्तराखंड	1,55,479	1,55,045
32	पश्चिम बंगाल	2,21,354	3,71,595

स्रोत: ईपीएफओ